Evaluative Report of the Department

1 Name of the Department : **Hindi**

2 Year of establishment : 1965

3 Is the Department part of a School/Faculty of the university? : Yes

4 Names of programmes offered (UG, PG, M.Phil., Ph.D., Integrated Masters; Integrated Ph.D., D.Sc. D.Litt., etc.)

B.A, M.A., M.Phil., Ph.D. in Hindi

5 Interdisciplinary programmes and departments involved : Gujarati, English, Indian & Foreign Languages

6 Courses in collaboration with other universities, industries, foreign institutions, etc. : No

7 Details of programmes discontinued, if any, with reasons : No

8 Examination System: Annual/Semester/Trimester/Choice Based Credit System**:**

Semester system

9 Participation of the department in the courses offered by other departments**: Nil**

10 Number of teaching posts sanctioned, filled and actual (Professors/Associate Professors/Asst. Professors/others)

	Sanctioned	**Filled**	**Actual (Including CAS & MPS)**
Professor	01	-	02 (CAS)
Associate Professor	02	02	03 (CAS)
Asst. Professor	07	05	02
Others	-	-	-

11 Faculty profile with name, qualification, designation, area of specialization, experience and research under guidance

Name	Qualification	Designation	Specialization	No. of	No.of Ph.D/M.Phil. Students guided for the last 4 Years
Dr. Jashvant D. Pandya	M.A.,M.Phil.,Ph.D.-Hindi	Professor (CAS)	Hindi	25	07
Dr. Ram Gopal Singh	M.A.,M.Phil.,Ph.D. Hindi	Professor (CAS)	Hindi	22	09
Dr. Daksha S. Jani,	M.A.,M.Phil.,Ph.D. Hindi	Associate Professor	Hindi	20	03
Dr. Gayatri Dutt Mehta	M.A.,M.Phil.,Ph.D. Hindi	Associate Professor	Hindi	20	
Dr. Jyotiben Lamba	M.A.,M.Phil.,Ph.D. Hindi	Associate Professor	Hindi	18	
Dr. Geljibhai Bhatia	M.A.,M.Phil.,Ph.D. Hindi	Assistant Professor	Hindi	11	
Dr. Shashibala Punjabi	M.A.,M.Phil.,Ph.D.-Hindi	Associate Professor	Hindi	09	04

12 List of senior Visiting Fellows, adjunct faculty, emeritus professors

1. Dr. Harji Vaghela, Professor, Department of Hindi, Bhavnagar University, Bhavnagar
2. Dr. B.K.Kalasava, Professor, Department of Hindi, Saurashtra University, Rajkot
3. Dr. D.S.Tripathi, Professor, Dept. of Hindi, S.P.University, V.V.Nagar
4. Dr. Shaileja Bhardwaj, Professor, Dept. of Hindi, M.S.University, Baroda
5. Dr. S.S. Bechain, Professor, Dept. of Hindi, Delhi University, Delhi
6. Dr. Shailendra Sharma, Professor, Dept. of Hindi, Vikram University, Ujjain
7. Dr. Premlata Chutel, Professor, Department of Hindi, Vikram University, Ujjain
8. Dr. S.K. Meena, Professor, Dept. of Hindi, J.N.Vyas University, Jodhpur
9. Dr. Abdul Alim, Professor, Dept. of Hindi, Aligarh Muslim University, Aligarh

10. Dr. Navneet Chauhan, Professor, Dept. of Hindi, S.P.University,Vallabh Vidyanagar

13 Percentage of classes taken by temporary faculty – programme-wise information : The names of some faculties invited to deliver lectures are mentioned in no 12

14	Programme-wise Student Teacher Ratio	**:**	10 : 1

15	Number of academic support staff (technical) and administrative staff: sanctioned, filled and actual**:** No, there is not any sanctioned post of such staff in our Department. N I L

16 Research thrust areas as recognized by major funding agencies **:**

Literature, Linguistics, Grammar, Comparative Literature, Translation, Functional Hindi and Official Language etc.

17 Number of faculty with ongoing projects from a) national b) international funding agencies and c) Total grants received. Give the names of the funding agencies, project title and grants received project-wise**:**

Dr. Ram Gopal Singh, Professor, Department of Hindi has completed three projects.

18 Inter-institutional collaborative projects and associated Grants received : Nil

a) National collaboration :

- Two projects completed with the fund from U.G.C.
- Dr. Ram Gopal Singh, Professor is in the expert team of Mahata Gandhi International University, Wardha

b) International collaboration : NIL

19 Departmental projects funded by DST-FIST; UGC-SAP/CAS, DPE; DBT, ICSSR, AICTE, etc.; total grants received **:** UGC and Gujarat Vidyapith, Ahmedabad

20 Research facility / centre with **: NA**

21 Special research laboratories sponsored by / created by industry or corporate bodies :

There is no need of research laboratory created by industry or corporate body but we have a language laboratory in Hindi Shikshan Mahavidyalaya which our teachers and students can use as required.

22 Publications :

* Number of papers published in peer reviewed journals (national / international) : 73
* Monographs : 00
* Chapters in Books : 35
* Edited Books : 04
* Books with ISBN with details of publishers : 10
* Number listed in International Database (For *e.g.*Web of Science, Scopus, Humanities International Complete, Dare Database - International Social Sciences Directory, EBSCO host, etc.) : NIL
* Citation Index – range / average : NIL
* SNIP : NIL
* SJR : NIL
* Impact Factor – range / average : NIL
* h-index : NIL

डो. जशवंतभाई पंड्या, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

हिन्दी विभाग

1. अभिनव भारती – वार्षिक शोध पत्रिका 2006-07-2008 – प्रकाशित जनवरी-2009 उपन्यास और प्रतिरोध
2. मैसुर हिन्दी प्रचार परिषद पत्रिका – बेंगलूर, जनवरी-2009

   आलेख : हिन्दी के विकास में प्रणामी संप्रदाय का प्रदेय
3. नव निकष – जनवरी, 2009, कानपुर

   आलेख : हिन्दी प्रेमी फादर कामिल बुल्के
4. 17-18 फरवरी, 2009 उज्जैन स्वतंत्रता के पश्चात हिन्दी पत्रकारिता संक्षेपिका में – प्रकाशित

   आलेख - हिन्दी पत्रकारिता का सामाजिक सरोकार
5. आश्वस्त – फरवरी, 2009, उज्जैन

   आलेख : गुजरात के दलित संत
6. भारतवाणी – मार्च, 2009 धारवाड – दक्षिण भारत

   आलेख : कृष्णा सोबती के उपन्यासों में नारी
7. मैसुर हिन्दी प्रचार परिषद पत्रिका – बेंगलूर, मार्च-2009

   आलेख : जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी
8. नव निकष – मार्च, 2009, कानपुर

   आलेख : उषा प्रयंवदा की कहानियों में नारी
9. बसव मार्ग – अप्रैल-जून, 2009 त्रैमासिक, बेंगलूर

   आलेख : नरसिंह महेता का सामाजिक एवं साहित्यिक योगदान
10. आश्वस्त – मई, 2009, उज्जैन

    आलेख : हिन्दी नाटकों में दलित चेतना
11. मालवा स्ट्रीट – जून, 2009, गुना, मध्यप्रदेश

    आलेख : ममता कालिका के उपन्यासों का विचारबोध
12. वीणा – जून 2009, इंदौर

आलेख : हिन्दी नाटकों में दलित चेतना

13. आश्वस्त – सितम्बर 2009, उज्जैन

आलेख : जनसंचार माध्यमों में नवीन आयाम

14. मालवा स्ट्रीट – नवम्बर 2009, गुना, मध्यप्रदेश

आलेख : हिन्दी पत्रकारिता का सामाजिक सरोकार

15. मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद पत्रिका, जुलाई 2010, बेंगलूर

आलेख : भक्ति साहित्य के मर्मी पंडित आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

16. समय-सरिता – राष्ट्रीय पत्रिका – त्रैमासिक, जुलाई 2010, मेरठ (उत्तर प्रदेश) ISSN No. 0976-4690

आलेख : हिन्दी कहानी में महिलाओं का योगदान

17. नव निकष – राष्ट्रीय पत्रिका, अगस्त 2010, कानपुर (उत्तर प्रदेश) ISSN No. 0975-0827

आलेख : नरसिंह महेता का सामाजिक एवं साहित्यिक योगदान

18. राष्ट्रीय संगोष्ठी स्मारिका – 22-23 नवम्बर 2010, हिन्दी विभाग – रामस्वरूप ग्राम उद्योग (पी.जी.) महाविद्यालय, पुखरायां, रमाबाई नगर (उत्तर प्रदेश)

प्रकाशित लेख : सामाजिक विमर्श एवं पठनीयता

19. मालवा स्ट्रीट – मासिक पत्रिका, फरवरी 2011, गुना, मध्यप्रदेश

लेख : आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में राजनैतिक चेतना

20. मालवा स्ट्रीट – मासिक पत्रिका, मार्च 2011, गुना, मध्यप्रदेश

लेख : रामचरितमानस में मानव मूल्य

21. समय-सरिता – त्रैमासिक, अप्रैल 2010 ISSN No. 0976-4690

आलेख : सामाजिक विमर्श एवं पठनीयता

संस्थापक संपादक - डॉ. सुनील कुमार

प्रधान संपादक – डॉ. ज्वाला प्रसाद कौशिक 'साधक'

22. मालवा स्ट्रीट – मासिक पत्रिका, जून 2011, गुना, मध्यप्रदेश

सम्पादक – डॉ. लक्ष्मीनारायण 'शोभन'

हिन्दी के विकास में प्रणामी संप्रदाय का प्रदेय

प्रकाशित लेख

1. विवरण पत्रिका – अक्तूबर 2012

   लेख : चित्रा मुगदल के उपन्यासों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

2. साहित्य परिवार – 2012

   विशेषांक - ISSN – 2250-1495

   लेख : रामदरश मिश्र के उपन्यासों में आँचलिकता

3. मध्यकालीन रामकथा

   सं. पुस्तक – संपादक डो. त्रिभुवनराय

   लेख : रमणलाल सोनी कृत रामकथा

4. मालवा स्ट्रीट, गुना, मध्य प्रदेश, अगस्त 2012

   लेख : भारतीय जनमानस पर मीरा का प्रभाव

5. संपादित पुस्तक – आधुनिक कविता धार एवं धरातल, उदयपुर, जून 2012

   लेख : शमशेर काव्य में सामाजिक संवेदना कलम ISSN – 2319-3298

   चित्रा मुगदल के उपन्यासों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

6. मालवा स्ट्रीट, गुना, मध्य प्रदेश, 2013

   लेख : जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी

7. अभिनव भारती - अलीगढ

   ISSN – 2321-3221

   लेख : नयी कहानी में नये जीवन मूल्य

8. साहित्य वीथिका – जून 2013 ISSN – 2319-6513

   संपादक – डो. दिलीप मेहरा

   लेख : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना

बोर्ड ओफ स्टडी के सदस्य

1. जयनारायण व्यास – युनिवर्सिटी जोधपुर बोर्ड ओफ स्टडी के सदस्य 2009-2012
2. IIS युनिवर्सिटी, जयपुर में बोर्ड ओफ स्टडी के सदस्य-2012 से

प्रकाशित आलेख

1. मध्य कालीन हिन्दी काव्य

   सम्पादक – डॉ. दिलीप महेरा, 2009-10 ISBN-978-81-9054106-2

   लेख : रामचरितमानस में मानव मूल्य

2. जनसंचार संचार माध्यमों में हिन्दी के नवीन आयाम, अमर प्रकाशन, मथुरा

   ISBN-378-81-88496-47-1

   पुस्तक – मीडिया लेखन

   संपादक – डॉ. दिलीप

प्रकाशन

पुस्तक प्रकाशित

(1) हिन्दी साहित्य : नव विमर्श

प्रकाशन वर्ष – 2009

ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

ISBN-978-81-905470-4-8

(2) समकालीन हिन्दी साहित्य नव आकलन

प्रकाशन वर्ष – 2011

ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

ISBN-978-93-80669-16-8

2. 7-8 मार्च 2010 – यू.एस.ए. पत्रिका एवं ज्ञानदीप शिक्षाभारती संस्थान मथूरा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की 'गुजरात में हिन्दी की स्थिति'

3. 22-23 नवम्बर 2010 रामस्वरूप ग्रा. 3 परान्तक महाविद्यालय पुखराया, उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संपोषित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता तथा एक सत्र की अध्यक्षता की 'साहित्य की पठनीयता की वर्तमान दशा और दिशा'
4. 8-9 जनवरी 2011 यू. के. वाछाणी विनयन एवं गृह विज्ञान महिला कॉलेज, केशोद द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में तृतीय सत्र के अध्यक्ष रूप में विशेष व्याख्यान दिया। 'हिन्दी एवं गुजराती स्वातंत्र्योत्तर कविता'
5. 30-1-2011 केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, अहमदाबाद द्वारा शमशेर बहादुरसिंह की जन्मशती के उपलक्ष्य में 'समशेर स्मरण एवं मूल्यांकन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी 'समशेर के काव्य में सामाजिक संवेदना'
6. 19-22 नवम्बर 2012 भारतीय जनशिक्षा परिषद दिल्ली और गूजरात विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजि राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी
7. 10 फरवरी 2013 हिन्दी साहित्य परिषद अहमदाबाद द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभागी
8. 8 जनवरी 2012 न्दी साहित्य अकादमी गांधीनगर एवं श्री सर्वोदय एज्यूकेशन ट्रस्ट, गोधरा, एन. एस. पटेल आर्ट्स कॉलेज आणंद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि विशेष के रूप में – व्याख्यान प्रेमचंद कृत गोदान एवं पन्नालाल पटेल कृत मानवीनी भवाई उपन्यास का तुलनात्मक अध्ययन
9. 7 फरवरी 2012 आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज खेरालु एवं हिन्दी साहित्य अकादमी गांधीनगर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी में अतिथि विशेष तथा एक सत्र की अध्यक्षता की, प्रणामी संप्रदाय के कवि पर व्याख्यान दिया।
10. 24-25 फरवरी 2012 को महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी तथा के. जे. सोमैया महाविद्यालय द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय परिसंवचाद में सत्र-2 में अध्यक्ष के रूप में व्याख्यान दिया।

11. 21 मार्च 2012 जी.सी.ई.आर.टी. गांधीनगर, शिक्षणशास्त्र उच्च अध्ययन संस्थान तथा शिक्षण महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में नियोजित हिन्दी शिक्षक सज्जता कार्यशिबिर में उदघाटन समारोह में अतिथि विशेष के रूप में व्याख्यान दिया ।
12. 1-12-2013 रविवार प्रगतिशील लेखक संघ गुजरात राज्य समिति एवं हिन्दी साहित्य अकादमी गुजरात द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभागी
13. 25-26 अक्तूबर 2013 केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय एवं गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना'
14. 26-1-2014 रविवार, संत शिरोमणी श्री रोहिदास समाज सेवा संघ, चांदखेडा, अहमदाबाद – तेजस्वी छात्र सम्मान (अवोर्ड) समारोह में मुख्य महमान के रूप में विशेष व्याख्यान दिया ।
15. 29-1-2014 शिक्षण महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद तथा जी.सी.ई. आर.टी. गांधीनगर द्वारा आयोजित शिक्षक सज्जता कार्यशिबिर में 'हिन्दी साहित्य में नाटक उदभव और विकास' विषय पर व्याख्यान दिया ।

पुरस्कृत

1. दिनांक – 23-24 अगस्त 2010, वैदिक अध्यात्म चेतना मिशन ऋषिकेश द्वारा शिक्षा-संस्कृति संस्कार प्रचार प्रसारादि सेवा हेतु सम्मानित
2. 23-24 अगस्त 2010 वैदिक अध्यात्म चेतना मिशन ऋषिकेश द्वारा सीकर, राजस्थान में आयोजित द्विदिवसीय वैदिक वैचारिक क्रांति महाअधिवेशन में संस्कृति, शिक्षा एवं संस्कार प्रचारादि हेतु सम्मानित
3. 9 दिसम्बर 2012 को भारतीय दलित साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित 18वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन में दलितोत्थान के क्षेत्र में साहित्यिक व सामाजिक योगदान को दृष्टिगत करके 'डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर राष्ट्रीय फेलोशिप सम्मान-2012' से अलंकृत

डॉ. राम गोपाल सिंह

प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

वर्ष-2013-2014

24. प्रायोगिक हिन्दी व्याकरण (सी.डी. के साथ), डॉ. राम गोपाल सिंह, विस्टा पब्लिशर्स, जयपुर, 2013, कुल पृ. 316, ISBN-978-81-925667-0-2

25. बैंकिंग हिन्दी वाक्यरचना और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2013, कुल पृ. 288, ISBN-978-81-89482-78-7

26. अनुवाद के सिद्धांत (सी.डी. के साथ), डॉ. राम गोपाल सिंह, विस्टा पब्लिशर्स, जयपुर, 2013, कुल पृ. 402, ISBN-978-81-82935-04-9

27. पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ. राम गोपाल सिंह, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2013, कुल पृ. 128, ISBN-978-81-902772-3-5

28. कबीर के काव्यादर्श, डॉ. राम गोपाल सिंह, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली, 2013, कुल पृ. 136, ISBN-978-93-82119-04-3

29. कबीर के काव्य सिद्धांत, डॉ. राम गोपाल सिंह, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली, 2013, कुल पृ. 151, ISBN-978-93-82119-03-6

30. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. राम गोपाल सिंह, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2013, कुल पृ. 224, ISBN-978-93-82119-03-6

31. हिन्दी भाषा का विकास, प्रभाव और जनसंचारपरक परिप्रेक्ष्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2013, कुल पृ. 175, ISBN-978-93-80462-26-7

32. द्विभाषी मुहावरा कोश (हिन्दी अंग्रेजी), (सं.) डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2014, कुल पृ. 272, ISBN-978-81-89495-94-7

वर्ष-2012-2013

22. समकालीन साहित्य : सृजन और समीक्षा, (सं.) डॉ. राम गोपाल सिंह, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012, कुल पृ. 400, ISBN-978-81-81294-31-9

23. मनुष्यत्व की शिक्षा नई तालीम, मूल गुजराती में श्री मनसुख सल्ला द्वारा लिखित, हिन्दी अनुवाद – डॉ. राम गोपाल सिंह, ग्लोबल रिसर्च पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2012, कुल पृ. 243, ISBN-978-81-89630-54-6

वर्ष-2011-2012

9. अनुवाद विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 272, ISBN-978-93-81090-06-0
10. आधुनिक हिन्दी का शोधपरक व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 296, ISBN-978-93-81090-11-4
11. शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011,. कुल पृ. 271, ISBN-978-93-81090-07-7
12. हिन्दी शिक्षणशास्त्र की प्रविधियाँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2011, कुल पृ. 144, ISBN-978-81-902772-7-8
13. शैली विज्ञान और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 106, ISBN-978-93-81090-23-7
14. अनुवाद की परंपरा, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 90, ISBN-978-93-81090-19-0
15. भाषिक स्वरूप : संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 215, ISBN-978-93-81090-22-0
16. अनुवाद के विविध आयाम, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 287, ISBN-978-93-81090-20-6
17. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, कुल पृ. 316, ISBN-978-93-81090-21-3
18. चारण कवि चरित, मूल गुजराती में खेतसिंह ना. गढवी द्वारा लिखित, हिन्दी अनुवाद : डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, कुल पृ. 206, ISBN-978-81-89495-50-3
19. कवि की आवाज, मूल गुजराती में प्रवीण गढ़वी द्वारा लिखित, हिन्दी अनुवाद : डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2011, कुल पृ. 120, ISBN-978-81-89482-43-5

20. गुजराती दलित एकांकियाँ, मूल गुजराती में हरीश मंगलम् द्वारा संपादित ग्रंथ, हिन्दी अनुवाद : डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, कुल पृ. 151, ISBN-978-81-89495-57-2
21. द्विभाषी लोकोक्ति कोश (हिन्दी-अंग्रेजी) (सं.) डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, कुल पृ. 144, ISBN-978-81-89482-62-6

वर्ष-2010-2011

6. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान गाजियाबाद, 2010, कुल पृ. 275, ISBN-978-81-89495-39-8
7. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2010 कुल पृ. 286, ISBN-978-81-89482-37-4
8. हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, कुल पृ. 160, 2010, ISBN-978-81-89495-38-1

वर्ष-2009-2010

1. हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद 2009, कुल पृ. 376, ISBN-978-81-89495-42-8
2. अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2009, कुल पृ. 287, ISBN-978-81-89495-20-6
3. भाषिक स्वरूप : संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली, 2009 कुल पृ. 207, ISBN-978-81-908271-4-0
4. अनुवाद विज्ञान : स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2009, कुल पृ. 268, ISBN-978-81-89495-23-7
5. कम्प्यूटर के विविध आयाम, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2009, कुल पृ. 112, ISBN-978-81-89482-29-9

पुस्तकों में अध्याय लेखन

1. विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग की संभावनाएँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, ग्रंथ- व्यावसायिक क्षेत्रों में हिन्दी का प्रयोग,(सं.) डॉ. एस. पी. शर्मा, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2009, कुल पृ. 202, ISBN-978-81-88652-54-9
2. तुलसी काव्य : संप्रेषण के भाषिक आयाम, डॉ. राम गोपाल सिंह, ग्रंथ- स्मृति ग्रंथ, गुजरात विद्यापीठ हिन्दी प्रचार मंडल, अहमदाबाद, 2009
3. हिन्दी निबंध : साहित्य स्वरूप, डॉ. राम गोपाल सिंह, ग्रंथ – आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य, (सं.) डॉ. एस. पी. शर्मा, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2010, कुल पृ. 200, ISBN-978-81-88652-30-6
4. हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी, दो अध्याय, डॉ. राम गोपाल सिंह, ग्रंथ – एच.डी. 06, वर्धमान महावीर ओपन युनिवर्सिटी, कोटा, 2009, कुल पृ. 342, ISBN-978-81-8496-135-5

शोधालेख / आलेख / प्रकाशित ग्रंथों में भूमिका लेखन

1. हिन्दी साहित्य प्रेमी एवं अनुवादक फादर कामिल बुल्के, डॉ. राम गोपाल सिंह, समकालीन भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, दिल्ली, वर्ष-29, अंक-143, मई-जून, 2009
2. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दातवली निर्माण के विविध संप्रदाय, डॉ. राम गोपाल सिंह, विकल्प पत्रिका, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून, अंक सं. 22, जुलाई-दिसंबर, 2012
3. समकालीन हिन्दी समीक्षा और डॉ. विनय कुमार पाठक, डॉ. राम गोपाल सिंह, विकास संस्कृति, अखिल भारतीय विकास संस्कृति साहित्य संस्थान, विलासपुर, ISSN-2231-5993
4. डॉ. बृजेश सिंह विरचित प्रलम्ब गज़ल, डॉ. राम गोपाल सिंह, चेतक, महाराणा प्रताप अकादमी का मुखपत्र, वर्ष-2013, महाकवि डॉ. बृजेश सिंह साहित्य विशेषांक, महाराणा प्रताप अकादमी, बिलासपुर
5. डॉ. अशोक वर्मा के ग्रंथ 'हिन्दी साहित्य : अनुवाद के झरोखे से' की भूमिका, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2009, ISBN-978-81-89482-25-1
6. डॉ. किशोरीलाल कलवार के ग्रंथ 'हिन्दी अनुवाद परंपरा : एक अनुशीलन की भूमिका', नवभारत प्रकाशन, दिल्ली, 2009, ISBN-978-81-908271-9-5

7. डॉ. जयंतीलाल माकड़िया के ग्रंथ 'हिन्दी कविता में दलित चेतना : एक अनुशीलन' की भूमिका, नवभारत प्रकाशन, दिल्ली, 2009, ISBN-978-81-89482-27-5
8. डॉ. अताउल्लाह खान के ग्रंथ 'हिन्दी भाषा के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान' भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2009, ISBN-978-81-908281-6-1
9. डॉ. गेलजी भाटिया के ग्रंथ 'हिन्दी के पुनरुक्त शब्दों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन' की भूमिका, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, 2009, ISBN-978-81-89854-36-2
10. डॉ. प्रवीण चौधरी के ग्रंथ 'हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप एवं व्याप्ति' की भूमिका, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2010, ISBN-978-93-80462-04-2
11. डॉ. मोनिका छतवाणी के ग्रंथ 'डॉ. फ़ादर कामिल बुल्के की हिन्दी सेवा' की भूमिका, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2010 ISBN-978-81-89482-32-9
12. डॉ. साहिल शर्मा के ग्रंथ 'खड़ी बोली हिन्दी गद्य के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान' की भूमिका, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2010, ISBN-978-93-80462-17-2
13. डॉ. ज्योति लाम्बा के ग्रंथ 'डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल का कथा साहित्य' की भूमिका, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2010, ISBN-978-81-89482-39-8
14. डॉ. शैलेष पटेल के ग्रंथ 'डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल के नाटकों में व्यक्त सामाजिक चेतना' की भूमिका, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, 2010, ISBN-978-93-80462-06-6
15. प्रभुनाथ अहीर के ग्रंथ 'हिन्दी एवं गुजराती का तुलनात्मक विश्लेषण एवं सूचना प्रौद्योगिकी' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2010, ISBN-978-81-89495-47-3
16. डॉ. नारायण सिंह राव के ग्रंथ 'समकालीन हिन्दी समीक्षा और डॉ. विनय कुमार पाठक' की भूमिका, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2011
17. डॉ. दिनेश गोहिल के ग्रंथ 'मृदुला गर्ग के उपन्यासों में नर-नारी संबंध' की भूमिका, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 2011, ISBN-978-81-920201-71-8
18. डॉ. दिनेश गोहिल के ग्रंथ 'हिन्दी रंगमंच और मोहन राकेश की रंगमंचीयता' की भूमिका, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-89482-71-8

19. डॉ. किशोरीलाल कलवार के ग्रंथ 'सरखान और उनका काव्य' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-902772-0-0

20. डॉ. महेश पटेल के ग्रंथ 'हिन्दी लघुकथा : एक अनुशीलन' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-902772-0-8

21. विष्णु जोगराणा के ग्रंथ 'गांधीजी की आत्मकथा का अनुवाद की दृष्टि से अध्ययन' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-902772-9-4

22. डॉ. गेलजी भाटिया के ग्रंथ 'हिन्दी-गुजराती वाक्य रचना का तुलनात्मक अध्ययन' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-902772-9-4

23. डॉ. गेलजी भाटिया के ग्रंथ 'हिन्दी-गुजराती वाक्य रचना का तुलनात्मक अध्ययन' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-902772-5-1

24. डॉ. आशा चौधरी के ग्रंथ 'श्रीकांत वर्मा की कहानियों में समाज' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-89482-63-3

25. डॉ. दिनेश गोहिल के ग्रंथ 'मैला आँचल और लीलुडी धरती' के पात्रों का तुलनात्मक अध्ययन' की भूमिका, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2011, ISBN-978-81-89495-79-4

26. डॉ. मिलिंद पाटिल के ग्रंथ 'मशीनी अनुवाद : क्रिया का रूपात्मक सर्जक' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-81-89495-63-3

27. डॉ. प्रवीण चौधरी के ग्रंथ 'हिन्दी पत्रकारिता के विविध रूप' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-81-89482-80-0

28. डॉ. प्रवीण चौधरी के ग्रंथ 'कार्यालयी भाषा और अनुवाद' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-81-89495-84-8

29. डॉ. भानू चौधरी के ग्रंथ 'नागार्जुन के उपन्यासों में नारी' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-81-89495-45-9

30. डॉ. रेनू मिश्रा के ग्रंथ 'स्वातंत्र्योत्तर नाटककार भीष्म साहनी' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-93-80462-20-2

31. डॉ. आशा चौधरी के ग्रंथ 'मृदुला गर्ग की कहानियों का संबंधगत अनुशीलन' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012, ISBN-978-81-89482-78-7
32. दर्शना वैश्य के ग्रंथ 'जनसंचार माध्यमों में हिन्दी साहित्य' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2013, ISBN-978-81-924101-04
33. डॉ. मुकेश मकवाणा के ग्रंथ 'दूरदर्शन की हिन्दी' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2013, ISBN-978-81-924101-1-1
34. विक्रम भडाणिया के ग्रंथ 'हिन्दी में संचार माध्यम लेखन' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2013, ISBN-978-81-924101-2-8
35. डॉ. जगमाल जादव के ग्रंथ 'जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी' की भूमिका, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2013, ISBN-978-81-924101-3-5

डॉ. दक्षा शरदचंद्र जानी

प्रकाशित पुस्तकें (2009-2013)

1. 'भक्त कवि सूरदास के सूरसागर का वर्ण्य विषय और भक्ति भावना', नवभारत साहित्य मंदिर प्रकाशन, मुम्बई, 2013, ISBN-978-93-81478-22-0
2. 'आधुनिक हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक चेतना' एस. पब्लिकेशन प्रकाशन, भोपाल-462010, ISBN-978-93-81428-86-3

पत्रिकाओं / पुस्तकों में प्रकाशित लेख (2009 **से** 2013)

1. दिनकर का काव्य 'बापू', गुर्जर राष्ट्रवीणा, अहमदाबाद, अंक-नवम्बर 2010,
2. 'मीरां और युगीन परिस्थितियाँ' संचार बुलेटिन, लखनऊ, अक्तूबर 2011 से मार्च 2012 (संयुक्तांक), ISSN-2229-3620
3. आत्मकथा – 'सत्य के प्रयोग', भाषा सेतु, अहमदाबाद, अंक- अक्तूबर-दिसम्बर, 2011
4. 'रामदरश मिश्र के उपन्यासों में सामाजिक चेतना', साहित्य परिवार, नडियाद, अंक-16, 2012, ISSN-2250-1495
5. 'गुजरात की आधुनिक प्रबन्ध चेतना और प्रम्लोचा', डॉ. मफत पटेल अभिनंदन ग्रंथ में संकलित, शांति प्रकाशन, 2012, ISBN-978-93-81090-61-9

एम.फिल./पीएच.डी. के विद्यार्थी

एम.फिल (2009-2013

1. बीना आर. गांवित, 2009-10, 'डॉ. देवेश ठाकुर के उपन्यास में सामाजिक चेतना'
2. भावेश वी. पडशाला, 2009-10, 'रादी मासूम राजा के उपन्यास में जीवन मूल्य'
3. शैलेष ए. चौधरी

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

1. दिनांक 7 से 9 दिसम्बर, 2009 को गुजराती विभाग, गूजरात विद्यापीठ द्वारा 'साहित्य में नारीवाद' विषयक त्रिदिवसीय संगोष्ठी में नारी विमर्श के संदर्भ में 'समकालीन कविता में नारी' विषय पर प्रपत्र पढ़ा ।
2. दिनांक 4 जनवरी, 2010 को WILPF - India द्वारा गूजरात विद्यापीठ में 'The Non-Violence and the South Asian Realities' विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
3. दिनांक 12, 13 नवम्बर, 2011 को केन्द्रीय साहित्य अकादमी, दिल्ली तथा अंग्रेजी विभाग गुजरात युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'Indian women writers in english' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
4. दिनांक 21 से 23 फरवरी, 2013 को गूजरात विद्यापीठ तथा मेक मास्टर युनिवर्सिटी केनेडा के संयुक्त तत्वावधान में 'Women education and social development' विषयक त्रिदिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

1. 14-15 फरवरी 2009 को नागरी लिपि परिषद, दिल्ली तथा गूजरात विद्यापीठ के संयुक्त उपक्रम में आयोजित संगोष्ठि में सक्रिय भागीदारी

2. दिनांक 29-30 जनवरी 2010 को यु.जी.सी. तथा हिन्दी साहित्य अकादमी, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'साठोत्तरी उपन्यासों में महिला रचनाकारों की भूमिका' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठि में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।

3. दिनांक 19 दिसम्बर 2010 को गुर्जर भारती तथा हिन्दी साहित्य अकादमी गांधीनगर के संयुक्त उपक्रम में आयोजित 'शमशेर बहादुर सिद्धजन्म शताब्दी वर्ष' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया ।

4. दिनांक 23-24 दिसम्बर 2010 को हिन्दी साहित्य अकादमी, गुजरात द्वारा आयोजित 'आत्मकथा : स्वरूप और विकास' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आत्मकथा : सत्य के प्रयोग' विषय पर प्रपत्र पढ़ा ।

5. दिनांक 23-24 दिसम्बर 2011 को हिन्दी विभाग गुजरात युनिवर्सिटी में आयोजित 'कला विचारधारा और साहित्य की अन्तर्संबंधता' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में 'गांधी विचारधारा और आधुनिक कवि' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

6. दिनांक 11 मार्च, 2012 को 'प्रगतिशील साहित्यकार शमशेर बहादुरसिंह' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में 'शमशेर बहादुर सिंह कथ्य और शिल्प' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

7. दिनांक 19 से 23 नवम्बर 2012 को जन शिक्षा परिषद, भारत तथा गूजरात विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधानमें आयोजित जनशिक्षा विषयक पांच दिवसीय संगोष्ठी में 'हिन्दी साहित्य में नारी-विमर्श' विषय पर प्रपत्र पढ़ा ।

8. दिनांक 11-12 जनवरी 2013 को एम.एस. युनिवर्सिटी, बडौदा में आयोजित 'आधुनिक हिन्दी, गुजराती, मराठी साहित्य में महाभारत का मिथक' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में 'एकलव्य का मिथक' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

9. दिनांक 30-31 मार्च को हिन्दी विभाग, गूजरात युनिवर्सिटी में आयोजित 'गद्य की सत्ता' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में 'कृष्णा सोबती का गद्य स्त्री की बेबाक बयानी' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

10. दिनांक 4-5 अक्तूबर 2013 को 'भारतीय साहित्य संत-संवाद' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में 'मुंडा समान और छैला सन्दु' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

11. दिनांक 14-15 दिसम्बर 2013 को 'भारतीय भाषाओं के साहित्य में विविध विमर्श' विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी में 'सामंतवाद का शिकार : एकलव्य' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत

23 Details of patents and income generated**:**

Being the P.G. Department of Hindi Language and Literature, there is no such kind of practice like patent and income generation. We get 100% grant from U.G.C. to run our programmes.

24 Areas of consultancy and income generated **:**

We have no avenues of consultancy and income generation.

25 **Faculty selected nationally / internationally to visit other laboratories / institutions/ industries in India and abroad :**

All faculties of our Department visit other universities for examination and other purposes.

26 Faculty serving in

a) National committees b) International committees c) Editorial Boards d) any other (please specify)**:**

Our faculties are serving in national committees of universities, Editorial Boards etc.

27 Faculty recharging strategies (UGC, ASC, Refresher / orientation programs, workshops, training programs and similar programs) **:**

Yes, our faculties encouraged to attend Refresher/Orientation programs, workshops, training programs and other similar programs. Our faculty also visits ASC as resource person.

28 Student projects **:**

- Percentage of students who have done in-house projects including inter-departmental projects : 100%

  Yes, our students complete one project in last semester and it is evaluated by the experts of other Universites.

- Percentage of students doing projects in collaboration with other universities/ industry / institute : Nil

29 Awards / recognitions received at the national and international level by**:**

- Faculty : Yes
- Doctoral / post doctoral fellows : Yes
- Students : Yes

30 Seminars/ Conferences/Workshops organized and the source of funding (national/international) with details of outstanding participants, if any **: No**

31 Code of ethics for research followed by the departments **:** Yes

- Anti-plagarism understanding
- Research Methodology

32 Student profile programme-wise**:**

Name of the Programme (refer to question no. 4)	**Applications received**	**Selected**		**Pass percentage**	
		Male	Female	Male	Female
M.A. (Hindi), Part-1	11	04	07	100%	100%
M.Phil.	45	03	02	100%	100%
Ph.D.	48	0	0	-	-

33. Diversity of students

Name of the Programme (refer to question no. 4)	**% of students from the same university**	**% of students from other universities within the State**	**% of students from universities outside the State**	**% of students from other countries**
M.A. (Hindi)	40%	60%	0%	0%
M.Phil. (Hindi)	40%	60%	0%	0%

Ph.D. (Hindi)	-	-	-	-

1. **How many students have cleared Civil Services and Defense Services examinations, NET, SET, GATE and other competitive examinations? Give details category-wise. NET and SET :**

Every year, two to three students clear the NET examination.

2. **Student progression**

Student progression	Percentage against enrolled
UG to PG	100%
PG to M.Phil.	40%
PG to Ph.D.	-
Ph.D. to Post-Doctoral	-
Employed	
Campus selection	-
Other than campus recruitment	In State and central Govt. services.
Entrepreneurs	-

3. **Diversity of staff**

Percentage of faculty who are graduates	
Of the same university	02
From other universities within the State	From
From universities from other States from	01
Universities outside the country	0

37 Number of faculty who were awarded M.Phil., Ph.D., D.Sc. and D.Litt. during the assessment period:

All faculties possess Ph.D. degrees.

38 Present details of departmental infrastructural facilities with regard to**:**

a. Library : More than 5000 books on Hindi Language and Literature are stocked in the Central Library of the University.
b. Internet facilities for staff and students :

Yes, we have the internet facility in our staff room along with computer and

printer. Students use computer laboratory of the University as per their requirements.

c. Total number of class rooms : Two

d. Class rooms with ICT facility : Shared basis

e. Students' laboratories : Yes (Language Laboratory in the Computer Department)

f. Research laboratories : Yes, we have a computer laboratory which can be utilised for research purpose also.

39 List of doctoral, post-doctoral students and Research Associates:

a) from the host institution/university

b) from other institutions/university :

डॉ. जशवंतभाई पंड्या के मार्गदर्शन में पांच वर्षो के दौरान विद्यावाचस्पति (Ph.D.)
हिन्दी
की उपाधि प्राप्त छात्रों की सूची

क्रम	**शोधार्थी का नाम**	**नोंधणी नंबर**	**शोध प्रबंध का शीर्षक**	**उत्तीर्ण दिनांक**
1.	श्री धर्मिष्ठाबहेन परबतभाई मकवाणा	8399	उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के उपन्यासों में व्यक्त युगीन चेतना	24/10/2009
2.	मनसुख गेलाभाई गोहेल	108088	मालती जोशी के कथा-साहित्य में नारी चेतना	21/07/2011
3.	रावजीभाई कानजीभाई कोटवाल	108089	चित्रा मुद्गल के कथा-साहित्य में सामाजिक चेतना	14/10/2011
4.	परेशकुमार बाबुभाई पटेल	108087	प्रमुख हिन्दी नाटकों में दलित चेतना	03/12/2011
5.	पारूल बहन ठाकोरभाई चौधरी	109015	साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का मिथकीय अनुशीलन	29/06/2012

6.	अग्रवाल रामविलास जवाहरलाल	109711	हिन्दी के प्रसार में जनसंचार माध्यमों की भूमिका	07/11/2012
7.	आरतीदेवी रामसींग राठौर		रामचरितमानस में हास्यव्यंग्य	01/05/2013

डॉ. राम गोपाल सिंह के मार्गदर्शन में पांच वर्षो के दौरान विद्यावाचस्पति (Ph.D.) हिन्दी की उपाधि प्राप्त छात्रों की सूची

क्रम	शोधार्थी का नाम	नोंधणी नंबर	शोध प्रबंध का शीर्षक	शोध निर्देशक का नाम	उत्तीर्ण दिनांक
1.	श्री शैलेषकुमार मोहनभाई पटेल	7998	डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों में व्यक्त सामाजिक चेतना	डॉ. राम गोपाल सिंह	20/11/2009
2.	प्रवीणभाई माधुभाई चौधरी	8401	हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप एवम् व्याप्ति एक अनुशीलन	डॉ. राम गोपाल सिंह	26/11/2009
3.	जनकभाई राणाभाई पळालिया	8398	डॉ. सूर्यदीन यादव के कथा साहित्य में व्यक्त समाज : चेतनागत अनुशीलन	डॉ. राम गोपाल सिंह	10/12/2009
4.	नारायणसिंह शंकरसिंह राव	7995	समकालीन हिन्दी समीक्षा को डॉ. विनय कुमार पाठक का प्रदेय	डॉ. राम गोपाल सिंह	15/12/2009
5.	साहिलकुमार नंदकिशोर शर्मा	8403	हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास में ईसाई मिशनरियों का प्रदेय : एक अध्ययन	डॉ. राम गोपाल सिंह	23/12/2009
6.	श्री आशाकुमारी छीतुभाई चौधरी	109096	मृदुला गर्ग की कहानियों में व्यक्त समाज का संबंध गत अनुशीलन	डॉ. राम गोपाल सिंह	16/04/2012
7.	डॉ. अरविंद लेउवा		न्दी के विकास में प्रचार संस्थाओं का योगदान	डॉ. राम गोपाल सिंह	2013

			(1947 के बाद)		
8.	डॉ. मुकेश मकवाणा		दूरदर्शन में प्रयुक्त हिन्दी : एक अनुशीलन	डॉ. राम गोपाल सिंह	2014
9.	डॉ. रेनू टी. मिश्रा		उपन्यासकार भीष्म साहनी : एक अनुशीलन	डॉ. राम गोपाल सिंह	2014

डॉ. दक्षा बहन जानी के मार्गदर्शन में पांच वर्षो के दौरान विद्यावाचस्पति (Ph.D.) हिन्दी की उपाधि प्राप्त छात्रों की सूची

क्रम	शोधार्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	शोध निर्देशक का नाम	उत्तीर्ण दिनांक	नोंधणी नंबर
1.	श्री सीताराम मंगलभाई बारोट	राजेन्द्र यादव और चंद्रकान्त बक्षी की पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन (साहित्यिक पत्रकारिता के संदर्भ मे)	डॉ. दक्षाबहन जानी	18/06/209	
2.	भरतकुमार मनसुखलाल सोनघेलाणी	गांधीयुगीन हिन्दी उपन्यासों में गांधी विचारधारा	डॉ. दक्षाबहन जानी	31/03/2011	8401
3.	दिनेशकुमार उगाभाई राठोड	कवि 'दिनकर' पर गांधी विचारधारा का प्रभाव	डॉ. दक्षाबहन जानी	18/04/2011	7994

40 Number of post graduate students getting financial assistance from the university:

All students are getting financial assistance from the University. Our P.G. students get S.C. / S.T. scholarships from Govt. and other students get scholarships from Gujarat Vidyapith Trust.

41 Was any need assessment exercise undertaken before the development of new programme(s)? If so, highlight the methodology **:** It is done by University.

42 Does the department obtain feedback from**:**

a. faculty on curriculum as well as teaching-learning-evaluation? If yes, how does the department utilize the feedback?

Yes. We utilise the suggestions and feedback recived from different

stakeholders when we reassess our curriculum. We get the feedbacks from the alumini, students, experts and others, which is discussed in the Department and in the Board of Study meetings. When we gest the approval of Board of Study, we put up the matter in academic council and with the approval of Academic Council, we implement the decision.

b. students on staff, curriculum and teaching-learning-evaluation and how does the department utilize the feedback?

To develop the curriculum and teaching-learning evaluation, we use the suggestions.

c. alumni and employers on the programmes offered and how does the department utilize the feedback?

Yes, We have the alumni association and we conduct meetings of the alumini and get their feedback and we utilise the feedback when we revise our curriculum and programmes.

43 List the distinguished alumni of the department (maximum 10)

1. Dr. Mafatbhai Patel, 2. Dr. Jashvantbhai Pandya, 3. Dr. Daksha Jani, 4. Dr. Gelji Bhatia, 5. Dr. Gayatri Dutt, 6. Dr. Shashi Punjabi, 7. Dr. Jagmal Jadav, 8. Dr. Kishorilal Kalwar, 9. Dr. Kantibhai Parmar, 10. Dr. Harji Vaghela etc. and more than 1000 alumni.

44 Give details of student enrichment programmes (special lectures/ workshops/ seminar) involving external experts

We have organised some special lectures of external experts like Dr. B.K. Kalasava, Dr. Navneet Chauhan, Dr. Harji Vaghela, Dr. Shaileja Bharadwaj, Dr. Shravan Kumar Meena, Dr. Atma Prakash Shrivastava, Dr, Premlata Chutel, Dr. Gita Nayak, Dr. Shailendra Kumar Sharma, Dr. Kishorilal Raigar, Dr. Abdul Alim, Dr. Rajiv Lochan Nath Shukla, Dr. Avadhesh Narayan Mishra, Dr. Hari Shankar Mishra, Dr. Kali Charan Snehi, Dr. Shyoraj Singh Bechen, Dr. Rakesh Shukla, Dr. Nand Kishore Pandey, and Dr. Anwar Ahmed Siddique, etc.

45 List the teaching methods adopted by the faculty for different programmes.

Through lectures, demonstration, doing, speaking, analysing, interpreting, group discussions, seminars etc.

46 How does the department ensure that programme objectives are constantly met and learning outcomes are monitored? :

Through result and evaluation and review of programs.

47 Highlight the participation of students and faculty in extension activities :

We participate in village visits and concerned activities, NSS camps, educational tours and other extension work every year.

48 Give details of "beyond syllabus scholarly activities" of the department :

Village visits and concerned activities and social work etc. every year. We organise NSS camp every year and our students and faculties took parts in these camps.

49 State whether the programme/ department is accredited/ graded by other agencies? If yes, give details**:** **:** -

50 Briefly highlight the contributions of the department in generating new knowledge, basic or apply:

We have completed research work in the field of Hindi language and literature, Linguistics, Grammar, Functional language, Official language, Folk literature, Comparative literature, Translation, Gandhian philosophy etc.

51 Detail five major Strengths, Weaknesses, Opportunities and Challenges (SWOC) of the Department:

STRENGTHS:

1. Employability :

   Hindi, being the regional, national and official language of the central government and Hindi speaking states, there are huge scope of

employability.

2. Service of national language :

   Being the non-Hindi speaking state, our teachers as well as students are doing the service of national language.

3. Service of the society :

   Our teachers and students are employed in private sector, NGOs, state and central government services etc.

4. The faculties of the Department of Hindi are recognized at regional, national and international level.

5. Implementation of official Language (Rajbhasha Hindi) :

   Our faculties are serving on honorary basis in the field of Rajbhassha Hindi and they are doing their best in the implementation of Rajbhasha Hindi.

WEAKNESSES:

1. Non availability of funds to organise seminars :

   We are not able to organise regional, national and international seminars because of non-availability of funds.

2. Discontinue of some valuable courses :

   We have discontinued some valuable courses like P.G. Diplome in Hindi Translation, M.A. in Hindi Translation, Certificate course in functional Hindi etc.

3. Regional policy against Hindi :

   We are also suffering by the regional policy relating to the languages like implementation of second languages - Hindi, Sanskrit, Marathi, Urdu etc.

4. Majority of Students from S.T. Community :

   We have at present more than 95% students from S.T. community. So, there is a lack of more inclusive environment in the Department.

5. Non-participation in Vishwa Hindi Sammelans etc. :

   We have never participated in Vishwa Hindi Sammelans etc.

OPPORTUNITIES:

1. Hindi service in Non-Hindi speaking area :

   We feel proud to serve Hindi in non-Hindi speaking area.

2. Service in Gandhian University :

   We feel proud to serve Hindi in the Gandhian University.

3. Inter-disciplinary approach :

   We are doing the inter-disciplinary approach in our research work.

4. National language :

   We feel proud to serve the national language of the country.

5. Rajbhasha :

   We have included papers of Rajbhasha Hindi, Functional Hindi, Translation in our curriculum of M.A. Hindi course. So, our students get the jobs in the field of Rajbhasha Hindi also.

CHALLENGES:

1. Hindi service in the field of Non-Hindi speaking area.
2. Hindi teaching to the students of S.T. community.
3. Field based research in non-Hindi speaking area.
4. Step motherly behaviour of the authority to provide the fund to organise the programme like seminars etc.
5. To restart our valuable courses like Diploma in Translation, M.A. in Translation, Certificate course in functional Hindi etc.

52 Future plans of the Department:

- To identify focussed areas of research.
- Effect of Gandhian Era on creative writers in Hindi.
- Linguistic study of Hindi literature in Gandhian Era.
- Post-independence Hindi literature on Gandhi.
- To start research work in the inter-disciplinary fields

- National seminars, alumni of students, to arrange special lectures to develop the skill among students
- To arrange special classes to guide students to clear the NET/SLET examinations
- To visit the Gandhian institutes etc.
- To restart our past valuable courses like P.G. Diploma in Translation, M.A. in HindiTtranslation etc.